शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

महाविद्यालयीन गतिविधियाँ

सत्र : 2017-18

माह : मार्च

डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी
प्राचार्य
शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

दिनांक : 07.03.2018

महिला उद्यमिता विकास प्रशिक्षण संपन्न

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ इंडस्ट्रीयल एंड टेक्नीकल कंसलटेंसी सेंटर (सिटकॉन) तथा राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड नई दिल्ली के तत्वाधान में एक माह का महिला उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र दुर्ग के महाप्रबंधक श्री अनिल श्रीवास्तव, सिटकॉन के उपप्रबंधक प्रकाश मरकले के आतिथ्यि में प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं को प्रमाण–पत्र वितरित किए गए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. बबीता दुबे ने जानकारी दी की एक माह के इस कार्यक्रम में उद्योग से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्याख्यान तथा प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। विभिन्न औद्योगिक इकाईयों का भ्रमण कराया गया।

समापन समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने उद्‌बोधन में शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकरी दी तथा कहा इसी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम से छात्राओं को जानकारी एक जगह मिल जाती है।

जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र के महाप्रबंधक अनिल श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री स्वरोजगार सृजन योजना तथा छत्तीसगढ़ शासन की विभिन्न योजनाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला।

सिटकॉन की समन्वयक श्रीमती प्रतिमा गुप्ता ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का ब्यौरा दिया।

इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थी विनिता वैष्णव, शिवानी, योगिता आदि ने अपने अनुभव बताए। सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र दिए गए।

दिनांक : 07.03.2018

अध्यापन शैली से विषयगत रूचि पैदा होती है – डॉ. शर्मा

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आई.क्यू.ए.सी. के तत्वाधान में शिक्षकों के लिए अध्ययन–अध्यापन और मूल्यांकन विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

शिक्षाविद् और कल्याण महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. डी.एन.शर्मा मुख्य वक्ता थे। अपने उद्‌बोधन में उन्होनें कहा कि शिक्षक के पढ़ाने की शैली से विद्यार्थियों में उस विषय के प्रति रूचि पैदा होती है। उन्होनें पढ़ाने की विभिन्न विधियों की चर्चा करते हुए कहते है जितने शिक्षक उतनी विधियाँ और तरीके है।

अच्छे शिक्षक को कक्षा की अंतिम पंक्ति तक संप्रेषण की कला आना चाहिए। क्लासरूम मैनेजमेन्ट से हम अच्छी अध्यापन व्यवस्था कर सकते हैं। योजना बनाकर उसके सही क्रियान्वयन और फिर मूल्यांकन कर हम अगली तैयारी करे तो बेहतर होगा।

डॉ. शर्मा ने कहा कि शिक्षण कार्य से विद्यार्थी के जीवन में, व्यवहार में परिवर्तन होता है। अच्छे शिक्षक की शैली का प्रभाव उसके कार्यक्षेत्र में पड़ता है। इसी कारण कई शिक्षक हमारे जीवन में रोल मॉडल की तरह रहते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि अध्यापन 'कला' है। पठन–पाठन की प्रक्रिया विद्यार्थियों में अच्छी सोच विकसित होती है। दृश्य–श्रव्य माध्यम का काफी अच्छा प्रभाव शिक्षण कार्य में पड़ता है जिसका अधिकाधिक प्रयोग किया जाना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. अमिता सहगल ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक उपस्थित थे।

दिनांक : 09.03.2018

राईसमिल एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली दुकानों का भ्रमण

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के वाणिज्य विभाग ने एम.कॉम. की छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण पर राईसमिल एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों का भ्रमण किया। शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र के PDS दुकानों को देखा एवं उनकी कार्यप्रणाली से अवगत किराया गया। दोनों की प्रक्रिया के अन्तर को स्पष्ट किया गया तथा बताया गया कि BPL कार्डधारी हितग्राहियों को राशन का वितरण कैसे किया जाता है? छत्तीसगढ़ में कुल 12413 राशन दुकानें हैं जिसमें दुर्ग में कुल 545 PDS राशन दुकानें, छः दाल–भात केन्द्र व एक अक्षय पात्र है। छ.ग. के मुख्यमंत्री के द्वारा PDS दुकानों को अन्नपूर्णा ATM नाम दिया गया है। सरकार की तरफ से सभी विक्रेताओं को टेबलेट बांटा गया है जिसमें हितग्राहियों का विवरण एवं स्टॉक रिकार्ड किया जाता है। यह प्रक्रिया इलेक्ट्रॉनिक तरीके से संचालित होती है इसलिए इसे Core (Centralised Online Realtime Dectronie) PDS कहते है।

उन्हें बताया गया कि कार्ड कई प्रकार के होते हैं तथा सभी में 14 अंक का एक यूनिफिकेशन नम्बर है जो आधार से लिंक होता है तथा इसलिए इसे Adhaar enabled PDS system कहा जाता है। टेबलेट के सॉफ्टवेयर का version 3.3 है जिसके साथ biometric machine जुड़ी होती है। शहरी क्षेत्र के BPL हितग्राहियों को यह सुविधा है मेरी मर्जी योजना के तहत वे किसी भी शहरी क्षेत्र की दुकानों से राशन ले सकते हैं। हर महीने की 7 तारीख को चावल उत्सव मनाया जाता है तथा उस दिन सुबह 09 बजे से शाम 06 बजे तक राशन दुकानें खुली रहती है। आने वाले समय में भारत सरकार द्वारा wifi चौपाल योजना स्थापित किया जाएगा।

इसके पश्चात् छात्राओं को सीता राईस मिल का भ्रमण कराया गया जहाँ उन्होनें यह जाना कि धान से चावल बनाने की क्या प्रक्रिया है? वर्तमान में 'उसना चावल' बनाने की प्रक्रिया चल रही थीं उन्हें यह बताया गया कि प्रतिदिन 1100 क्विंटल धान की processing होती है जिसके लिए 15000 से 20000 लिटर पानी की खपत होती है। मिल में लगी ऑटोमैटिक मशीनों की खास बात यह है कि चावल बनाने की प्रक्रिया में भूसी, कंकड़, काले चावल, भूरे चावल स्वतः ही अलग–अलग हो जाते है जो कि sortex मशीन का उपयोग किया जाता है अतः यह चावल sortex चावल के नाम से वितरित होता है।

यहाँ के उत्पादित चावल निर्यात भी होते है तथा भूसे से हरेली नामक खाद्य तेल भी बनाया जाता है।

दिनांक : 10.03.2018

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'लैंगिक असमानता' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस परिचर्चा में महाविद्यालय की समस्त प्राध्यापकों ने अपने विचार व्यक्त किये। अधिकांश शिक्षकों ने अपने व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर बताया कि उन्होनें स्वयं पारिवारिक एवं सामाजिक स्तर पर लैंगिक भेदभाव का अनुभव नहीं किया परन्तु सभी का ये मानना था कि इस संदर्भ में सामाजिक परिवर्तन नितान्त आवश्यक है तभी हमारा समाज इस तरह के भेदभाव से मुक्त होगा।

इस परिचर्चा में महिला प्रकोष्ठ की डॉ. आरती गुप्ता, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. अमिता सहगल, डॉ. सुचित्रा खेब्रागढ़े, डॉ. ऊषा चंदेल, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीरा गुप्ता, डॉ. साधना पारेख, डॉ. मोनिया राकेश सिंह, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. ज्योति भरणे, डॉ. सीमा अग्रवाल, डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. ऋतु दुबे, डॉ. मुक्ता बाख्ला, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. रीता शर्मा, श्रीमती पुष्पा सावरकर आदि ने अपनी सक्रिय भागीदारी दी।

दिनांक : 10.03.2018

गर्ल्स कॉलेज में विश्वविद्यालयीन वार्षिक परीक्षाएँ शुरू
कुलपति ने किया केन्द्र का निरीक्षण

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में वार्षिक परीक्षाएँ आज प्रारंभ हुई। दुर्ग विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा में प्रातः सत्र में बी.एससी.–भाग–3 हिन्दी भाषा तथा बी.एसीसी. भाग–एक, दो गृहविज्ञान का हिन्दी भाषा तथा भाग–3 का पोषक जैव रसायन का पर्चा हुआ। केन्द्राध्यक्ष डॉ. मीरा गुप्ता ने बताया कि इस सत्र में उत्तरपुस्तिकाएँ 'ओएमआर' पैटर्न में दी गयी है।

महाविद्यालय द्वारा छात्राओं को आधे घंटे पूर्व बुलाया था जिससे ओएमआर कव्हर पेज भरने में कोई परेशानी न हो।

द्वितीय सत्र में बी.कॉम. भाग–3 का हिन्दी भाषा का पर्चा हुआ।

दुर्ग विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ओ.पी. गुप्ता ने परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों से परीक्षा संबंधी जानकारी ली। डॉ. गुप्ता ने महाविद्यालय के प्राचार्य एवं केन्द्राध्यक्ष से चर्चा की तथा केन्द्र में परीक्षा व्यवस्था पर प्रसन्नता व्यक्त की।

परीक्षा में असुविधा न हो इसका पुख्ता इंतजाम किया गया है। परीक्षा में अनुचित साधन के प्रयोग को रोकने के लिए भी विशेष दिशा–निर्देश जारी किए गए है। दिव्यांगों हेतु व्यवस्था की गई है। आज की परीक्षा शांतिपूर्वक संचालित हुई।

दिनांक : 12.03.2018

श्रीमती जयश्री समर्थ जनभागीदारी अध्यक्ष नियुक्त

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में जनभागीदारी प्रबंध समिति में श्रीमती जयश्री समर्थ को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर दुर्ग द्वारा जारी आदेश में जिले के प्रभारी मंत्री की अनुशंसा पर श्रीमती जयश्री समर्थ को महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति में अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। जयश्री समर्थ ने इस महाविद्यालय से एमएससी (प्राणीशास्त्र) किया है तथा पूर्व में जनभागीदारी की सदस्य रही है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं जनभागीदारी समिति के प्रभारी प्राध्यापक डॉ. डी.सी.अग्रवाल तथा महाविद्यालय परिवार ने बधाई दी है।

श्रीमती जयश्री समर्थ